चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	31.05.2020	04	06-08

एचएयू में टिड्डी दल प्रकोप व नियंत्रण पर राष्ट्रीय वेबिनार

अनुकूल परिस्थिति में 400 गुना तक बढ़ी टिड्डियों की प्रजनन क्षमता

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के दिशानिर्देश में कीट विज्ञान विभाग एवं शोध निदेशालय ने शनिवार को 'टिड्डियां कृषि के लिए एक गंभीर खतरा' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। जिसमें 18 राज्यों के 240 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वेबिनार में वक्ताओं ने कहा कि अफ्रीका एवं एशिया के कुछ देशों में रेगिस्तानी टिड्डियों के बढने एवं टिड्डी दल बनने से कृषि पर एक गंभीर खतरा बना हुआ है। खाद्य एवं कृषि संगठन, रोम के अनुसार अनुकुल परिस्थिति के कारण टिड्डियों का प्रजनन 400 गुना बढ़ गया है। भारत में टिड्डियों का प्रजनन ग्रीष्म ऋतु में होता है जबकि टिड्डियों के दल शरद एवं बसंत ऋतु में प्रजनन योग्य स्थानों से भारत में घुस जाते हैं। पिछले 15 से 20 दिनों में विभिन्न टिड्डी दल राजस्थान में दाखिल हो गए हैं तथा वहां से गुजराज, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के कुछ हिस्से में फैल गए हैं।

एचएयू में टिड्डियों पर राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लेते प्रतिभागी।

इस बहुभक्षी कीट की समस्या को ध्यान में रखते हुए प्रोफेसर के.पी. सिंह ने टिड्डियों की वर्तमान एवं आगामी स्थिति को देखते हुए चिंता व्यक्त की एवं वैज्ञानिकों एवं प्रसार कार्यकर्ताओं को सतर्क रह कर तैयार रहने का निर्देश दिया। वेबिनार की शुरूआत में डॉ. एस.के. सहरावत, शोध निदेशक ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं वेबिनार के विषय पर प्रकाश डाला। इस वेबिनार में पहला व्याख्यान डॉ. के.एल.गुर्जर, डिप्टी डायरेक्टर, टिड्डी चेतावनी संस्था, डीपीपीक्यूएस, फरीदाबाद द्वारा टिड्डियों के भारत में आने से सम्बन्धित मार्गों एवं आगे के फैलाव पर दिया। डॉ. योगेश कुमार, विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग ने दूसरा व्याख्यान टिड्डियों की जीवन चक्र एवं प्रबंधन पर दिया। प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों ने व्याख्यानकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	31.05.2020	04	01

छात्रों को दिए नए स्टार्टअप को शुरू करने के टिप्स

हिसार| एचएयू के कुलपति प्रोफेसर के. पी. सिंह के निर्देश पर एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने 'स्किल्स एंड स्टार्टअप' वेबीनार का आयोजन किया। इस एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में 85 से अधिक छात्रों, किसानों, उद्यमियों, और अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया। वेबिनार में नया स्टार्टअप शुरू करने के निर्देश दिए। कृषि में नवाचार की संभावानाओं के बारे में बताते हुए हरियाणा कृषि विवि के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा कि एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबीक) के माध्यम से आप अपनी इनोवेशन को बाजार तक ले जा सकते हैं। इसके लिए आपको ग्राहक की इच्छाओं का ध्यान रखते हुए बाजार का शोध करना चाहिए और उसी अनुसार अपनी योजना तैयार कर अपने नवाचार को अपने रोजगार का साधन बनाना चाहिए। डॉ. सीमा रानी नोडल ऑफिसर एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने इस कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि परिश्रम और ज्ञान के आधार पर आज के समय कोई भी नवाचार को अपने रोजगार का साधन बना सकता है।

इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि विश्वकर्मा कौशल विवि, गुरुग्राम के कुलपति राज नेहरू ने एंटरप्रेन्योरशिप और नए स्टार्ट को प्रोत्साहित करते हुए एंडरसन मेडिसिन का जिक्र किया जो एक चर्चित अर्थशास्त्री है उनके द्वारा किए शोध के आधार पर राज नेहरू बताया कि पहली शताब्दी से सतरहवीं शताब्दी में भारत अर्थव्यवस्था के संदर्भ में सभी क्षेत्रों में अग्रणी था, जिसके कारण उस समय भारत का सकल घरेलू उत्पाद 35 से 45 प्रतिशत था। यदि भारत की विभिनता में अवसर तलाशे जाएं उस दौर को फिर से दोहराया जा सकता है। वेबिनार के विशिष्ट अतिथि एसीबी इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट दलेल सिंह ने कहा कि भारत को एक्सपोर्ट पर जोर देना चाहिए जिसके लिए भारत को निर्यात पर जोर देना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	31.05.2020	04	01-04

तैयारी • शिक्षकों को ऑनलाइन शिक्षण से लेकर परीक्षा और मूल्यांकन का भी ज्ञान दिया जा रहा

नए सत्र में स्टूडेंट्स और टीचर्स को ऑनलाइन पढ़ना और पढ़ाना होगा, एचएयू तैयार करा रही नया मॉड्यूल

महबूब अली | हिसार

एचएयू ऑनलाइन शिक्षण के लिए गुरुजी तैयार कर रहा है। इसके लिए मॉड्यूल तैयार किए जा रहे हैं। जिसके जरिए शिक्षाकों को ऑनलाइन शिक्षण से लेकर परीक्षा और मूल्यांकन का भी ज्ञान दिया जा रहा है। ताकि नए सत्र में ऑनलाइन पढाई कराने में किसी तरह की समस्या आड़े न आएं। तैयार विडियो के माध्यम से भी शिक्षकों को तैयार किया जा रहा है।

लॉक डाउन के कारण विवि बंद पड़े हैं। हालांकि स्टाफ और शिक्षक विवि में आ रहे है। कुछ स्टाफ वर्क फ्रॉम हॉम कर रहे हैं। छात्रों को भी ऑनलाइन पढ़ाई कराई जा रही है। एचएयू में तो छात्रों को ट्रेंड करने के लिए ऑनलाइन पढ़ाने के लिए विशेष प्रकार के विडियो भी तैयार किए गए हैं। दरअसल नए सत्र में सभी विवि 25 प्रतिशत पाठ्यक्रम ऑनलाइन पूरा कराने की तैयारी में है। ताकि कोरोना वायरस पर जीत दर्ज की जा सके। इससे पहले एचएयू में गुरुजी को तैयार कराया जा रहा है। इसके लिए मॉड्यूल तैयार करा रहे हैं। विवि शिक्षकों को ऑनलाइन ट्रेनिंग भी दिला रहा है। इसके लिए मॉडयूल तैयार कराने में जुटा है। ताकि पढाई , परीक्षा ओर मूल्याकन सिखाया जाएगा। एचएयू के कुलपति डा . केपी सिंह का कहना है कि शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षकों को भी किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

ऑनलाइन स्टडी करा रहा विवि : कुलपति डॉ. केपी सिंह का कहना है कि विवि ने ऑनलाइन पढ़ाई की शुरूआत लॉक डाउन के दौरान की थी। इसके लिए विवि ने ई लर्निंग प्लेटफार्म तैयार किया था।

ऑनलाइन एग्जाम की तैयारी करा चुका विवि

विवि छात्रों की ऑनलाइन परीक्षा की तैयारी कर चुका है। हालांकि अभी पदाधिकारियों की बैठक होनी है। जिसमें छात्रों की परीक्षा को लेकर निर्णय लिया जाना है। कुलपति का कहना है कि होने वाली बैठक में ही परीक्षा को लेकर निर्णय लिया जाएगा।

किसानों को भी ऑनलाइन किया जा रहा ट्रेंड

कुलपति का कहना है कि लॉक डाउन का पूरी तरह से पालन कराने के लिए किसानों को भी ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से ट्रेंड किया जा रहा है। उन्हें एग्री बिजनेश स्थापित करने के गुर दिए जा रहे है। सौ से अधिक किसानों को ऑनलाइन किया जा रहा है ट्रेंड।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	31.05.2020	03	01-04

विश्व में 400 गुना बढ़ा टिड्डियों का प्रजनन

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में टिड्डियों कृषि के लिए गंभीर खतरा विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित हुआ। जिसमें फरीदाबाद के टिड्डी चेतावनी संस्थान के उप निदेशक डा. केएल गुर्जर बताते हैं कि खाद्य एवं कृषि संगठन, रोम के अनुसार अनुकुल परिस्थिति के कारण टिड्डियों का प्रजनन 400 गुना बढ़ गया है। भारत में टिड्डियों का प्रजनन ग्रीष्म ऋतु में होता है जबकि टिड्डियों के दल शरद एवं बसंत ऋतु में प्रजनन योग्य स्थानों से भारत में घुस जाते हैं। पिछले 15 से 20 दिनों में विभिन्न टिड्डी दल राजस्थान में दाखिल हो गए और वहां से राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र में फैल गए।

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार में विशेषज्ञों ने दी जानकारी
- पिछले दिनों में विभिन्न टिड्डी दल राजस्थान में दाखिल हुए और वहां से राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र में फैल गए

प्रो. केपी सिंह बोले-किसानों तक अधिक से अधिक जानकारी पहुंचना जरूरी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने टिड्डियों के प्रभाव को देखते हुए वैज्ञानिकों एवं प्रसार कार्यकर्ताओं को सर्तक रहने के निर्देश दिए हैं। ताकि किसानों तक अधिक से अधिक जानकारी पहुंचाई जा सके। वेबिनार की शुरूआत में शोध निदेशक डा. एसके सहरावत ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

जून तक रहें सतर्क, कभी भी आ सकता है टिड्डी दल : डा. केएल गुर्जर

उप निदेशक डा. केएल गुर्जर ने बताया कि हरियाणा से लगते राजस्थान में अभी दल रुका हुआ है। जून में भी यह आ सकता है। ऐसे में सभी सतर्क करें। पिछले वर्ष टिड्डियों के प्रजनन के अनुकूल मौसम था, जिसके कारण इस बार इनका दल करोड़ों की संख्या में भारत में दाखिल हुआ। उन्होंने टिड्डियों के भारत में आने से सम्बन्धित मार्गों एवं आगे के फैलाव पर व्याख्यान दिया। कीट विज्ञान विभागाध्यक्ष डा. योगेश कुमार ने दूसरा व्याख्यान टिड्डियों की जीवन चक्र एवं प्रबंधन पर दिया। प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों ने व्याख्यानकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श किया। इस वेबिनार में 18 राज्यों से लगभग 240 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी, शोधकर्ता एवं प्रसार कार्यकर्ता सम्मिलित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	31.05.2020	04	05-08

विभिन्नता के अवसर तलाशें तो 35 फीसद बढ़ सकती है जीडीपी

जागरण संवाददाता, हिसार: एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर में स्किल्स एंड स्टार्टअप वेबिनार का आयोजन हुआ। एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में 85 से अधिक छात्रों, किसानों, उद्यमियों, और अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गुरुग्राम स्थित श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू ने बताया कि पहली शताब्दी से सतरहवीं शताब्दी में भारत अर्थव्यवस्था के संदर्भ में सभी क्षेत्रों में अग्रणी था, जिसके कारण उस समय भारत का सकल घरेलू उत्पाद 35 से 45 प्रतिशत था। यदि भारत में विभिन्नता में अवसर तलाशे जाएं, उस दौर को फिर से दोहराया जा सकता है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने कहा कि एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबीक) के माध्यम से आप अपनी इनोवेशन को बाजार तक ले जा सकते हैं, इसके लिए आपको ग्राहक की इच्छाओं का ध्यान रखते हुए बाजार का शोध करना चाहिए और उसी अनुसार अपनी योजना तैयार कर अपने नवाचार को अपने रोजगार का साधन बनाना चाहिए। नोडल अफसर डॉ. सीमा रानी ने कहा कि परिश्रम और ज्ञान के आधार पर आज के समय कोई भी नवाचार को अपने रोजगार का साधन बना सकता है।

एक्सपोर्ट पर जोर दे देश

वेबिनार के विशिष्ट अतिथि एसीबी इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट दलेल सिंह ने कहा कि भारत को एक्सपोर्ट पर जोर देना चाहिए जिसके लिए भारत को निर्यात पर जोर देना होगा जिसके लिए अपने देश में निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खरा उतारना होगा। उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर आपके उत्पाद में गुणवत्ता है तो आपको विपणन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और लोग आपका उत्पाद बिना विलम्ब के खरीदेंगे। इस दौरान एबीक के सीईओ हार्दिक चौधरी सहित अन्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	31.05.2020	02	03-05

पहली बार कृषि विज्ञान केंद्रों पर होंगी परीक्षाएं

वीडियो कॉल से होगा वाइवा, ताकि विद्यार्थियों का समय न हो खराब

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार होगा जब विद्यार्थियों का वाइवा लेने वाली कमेटी विद्यार्थियों के पास वीडियो कॉल कर उनका वाइवा लेगी। वहीं, विभिन्न कक्षाओं के फाइनल ईयर के विद्यार्थियों के अंतिम सेमेस्टर आंतरिक परीक्षाएं पहले ही ऑनलाइन हो रही हैं।

विद्यार्थियों के असाइनमेंट ऑनलाइन जमा हो चुके हैं, जबकि विवि पहली बार प्रदेशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों पर एमबीए की अभी परीक्षाएं ले रहा है। जो विद्यार्थी प्रदेश के जिस जिले से संबद्ध रखते हैं, वे उसी जिले या उसके नजदीकी जिले के कृषि विज्ञान केंद्रों पर सामाजिक दूरी के साथ परीक्षाएं दे रहें हैं। विवि प्रशासन ने कहा कि विद्यार्थियों का समय और पढ़ाई खराब नहीं होने दी जाएगी। इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

10 दिन में हो जाएंगी परीक्षाएं

विवि के परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि फाइनल ईयर के अंतिम सेमेस्टर के विद्यार्थियों की थ्योरिटीकल परीक्षाओं की बजाय

एचएयू में ऑनलाइन हो रहे फाइनल सेमेस्टर के एग्जाम, जुलाई में हो सकती हैं अन्य कक्षाओं की परीक्षाएं

अन्य सेमेस्टर की परीक्षाएं 1 जुलाई से

विवि प्रशासन के अनुसार फाइनल ईयर के अलावा अन्य सभी कक्षाओं की परीक्षाओं के लिए अभी कुछ फाइनल नहीं किया गया है। विवि प्रशासन 15 जून के बाद परिस्थितियों के आधार पर ही कोई निर्णय लेगा। अगर कोविड 19 के चलते परिस्थितियां अधिक नहीं बिगड़ीं तो संभवत जुलाई के प्रथम सप्ताह से परीक्षाएं शुरू की जा सकती हैं। हालांकि परीक्षाएं ऑफलाइन ही होंगी।

रावे कार्यक्रम होता है। विद्यार्थियों की आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा होती है और उसी के तहत असाइनमेंट, वाइवा आदि लिया जाता है। विवि में विभिन्न कोर्सों में फाइनल सेमेस्टर में करीब 300 से अधिक विद्यार्थी हैं। इनकी परीक्षा प्रक्रिया अगले 10 दिनों में समाप्त हो जाएंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	31.05.2020	11	01-03

अपनी इनोवेशन को बाजार तक ले जाने के लिए बाजार का शोध करना जरूरी : कुलपति

- हकृवि के एबीक सेंटर में स्किल्स एंड स्टार्टअप वेबिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

कोरोना वैश्विक महामारी के समय में भी अपनी सेवाएं देने और समाज के अच्छे भविष्य के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के दिशा निर्देशानुसार एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने स्किल्स एंड स्टार्टअप वेबीनार का आयोजन किया। इस एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में 85 से अधिक छात्रों, किसानों, उद्यमियों, और अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कृषि में नवाचार की संभावानाओं के बारे में बताते हुए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने कहा कि एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबीक) के माध्यम से आप अपनी इनोवेशन को बाजार तक ले जा सकते हैं, इसके लिए आपको ग्राहक की इच्छाओं का ध्यान रखते हुए बाजार का शोध करना चाहिए और उसी अनुसार अपनी योजना तैयार कर अपने नवाचार को अपने रोजगार का साधन बनाना चाहिए। डॉ. सीमा रानी नोडल ऑफिसर एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने इस कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कहा कि परिश्रम और ज्ञान के आधार पर आज के समय कोई भी नवाचार को अपने रोजगार का साधन बना सकता है। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के कुलपति राज नेहरू ने एंटरप्रेन्योरशिप और नए स्टार्ट को प्रोत्साहित करते हुए एंडरसन मेडिसिन का जिक्र किया जो एक चर्चित अर्थशास्त्री है उनके द्वारा किए शोध के आधार पर राज नेहरू बताया कि पहली शताब्दी से 17वीं शताब्दी में भारत अर्थव्यवस्था के संदर्भ में सभी क्षेत्रों में अग्रणी था, जिसके कारण उस समय भारत का सकल घरेलू उत्पाद 35 से 45 प्रतिशत था। यदि भारत की विभिन्नता में अवसर तलाशे जाएं उस दौर को फिर से दोहराया जा सकता है।

हिसार। एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के स्किल्स एंड स्टार्टअप वेबिनार मे व्याख्यान सुनते प्रतिभागी। *फोटो: हरिभूमि*

भारत को निर्यात पर जोर देने की जरूरत : दलेल सिंह

वेबिनार के विशिष्ट अतिथि एसीबी इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट दलेल सिंह ने कहा कि भारत को एक्सपोर्ट पर जोर देना चाहिए जिसके लिए भारत को निर्यात पर जोर देना होगा जिसके लिए अपने देश में निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरा उतारना होगा। उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर आपके उत्पाद में गुणवत्ता है तो आपको विपणन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और लोग आपका उत्पाद बिना विलम्ब के खरीदेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	31.05.2020	02	03-08

एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी हिसार में एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की पहल

मेक इन इंडिया हो रहा साकार, साधारण किसान बन रहे प्रोफेशनल

दिनेश भारद्वाज/ट्रिब्यू
चंडीगढ़, 30 मई

खुद का बिजनेस शुरू करने के इच्छुक किसानों व युवाओं के लिए हिसार की चौ. चरण सिंह एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी अहम भूमिका अदा कर रही है। यूनिवर्सिटी में स्थापित 'एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर' खेती, मत्स्य पालन, बागवानी और दूसरे ऐसे ही क्षेत्रों के प्रोफेशनल किसान तैयार कर रहा है। सेंटर में उत्पादन, पैकिंग, ग्रेडिंग से लेकर मार्केटिंग तक के गुर दिए जाते हैं, इस सेंटर में दाखिल होने वाले युवा आइडिया लेकर आते हैं, लेकिन यहां से प्रशिक्षण लेकर वे उस आइडिया के जरिए न केवल अपना अपितु दूसरे युवाओं को भी रोजगार प्रदान करते हैं। छोटे बिजनेस के लिए सेंटर ही 5 से 25 लाख रुपये तक की अनुदान राशि मुहैया कराता है, वहीं बड़े बिजनेस के लिए कई बैंकों के प्रतिनिधि यहां मौजूद हैं, जो केंद्र सरकार की नीतियों के तहत सस्ती ब्याज दरों पर कर्ज मुहैया कराते हैं।

- खेती के क्षेत्र में विभिन्न कोर्स करवा रहा सेंटर
- प्रशिक्षण के बाद स्टार्टअप के लिए बैंक लोन का भी होगा प्रबंध

सेंटर में इन पर फोकस

एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर में कृषि व इससे जुड़े विभिन्न क्षेत्रों पर फोकस किया जा रहा है। यहां मशरूम व बायो-पेस्टिसाइड प्रोडक्शन, प्रोटेक्शन ऑफ क्रॉप्स, डेवलपमेंट ऑफ न्यू वेरायटीज, आर्गेनिक फार्मिंग, फार्म मैनेजमेंट, फार्टिकल्चर, हार्टिकल्चर, एग्रीकल्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन एग्रीकल्चर, प्रोसेसिंग एंड वेल्यू एडिशन, एग्री वेस्ट मैनेजमेंट, सर्टिफिकेशन एंड ब्रांडिंग, नर्सरी राइजिंग, मार्केटिंग, टिशू कल्चर तथा बायो-गैस/बायो-फर्टिलाइजर प्रोडक्शन आदि में कोर्स पढ़ाए जा रहे हैं। अलग-अलग क्षेत्र के 50 से भी अधिक विशेषज्ञ सेंटर के साथ जुड़े हैं। वे स्टार्टअप शुरू करने के लिए मार्गदर्शन देते हैं, व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए यह सेंटर बैंक, निवेशक व इंडस्ट्रीज से जुड़ा हुआ है।

हिसार में कृषि विवि के अंदर एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर।

अपनी तरह का पहला

यह अपनी तरह का पहला सेंटर है, जहां एक आइडिया को स्टार्टअप के रूप में मूर्तरूप देने के लिए तमाम आधारभूत संसाधन उपलब्ध हैं। यहां आइडिया जनरेशन रूम भी बना है। सीएसआर के अलावा बिजनेस घरानों द्वारा भी फंड का प्रबंध किया जाता है। यानी आइडिया किसान का होगा और उस पर पूंजी लगाएंगे बिजनेसमैन।

दूसरा सेंटर तमिलनाडु में

केंद्र सरकार की 'मेक इन इंडिया' योजना के तहत ये सेंटर स्थापित किए गए हैं। केंद्र व नाबार्ड की योजनाओं के तहत देश में दो केंद्र चल रहे हैं। पहला हिसार में वहीं दूसरा तमिलनाडु में स्थित है। इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य कृषि उद्यमशील तैयार करना है। इस सेंटर ने कई प्रगतिशील किसानों के अलावा एग्री सेक्टर के बड़े उद्यमियों के साथ टाईअप किया है। सेंटर के अंदर विदेश में किसानों की ओर से अपनाई जा रही कृषि तकनीकों से भी परिचित कराया जाता है।

"केंद्र सरकार की 'मेक इन इंडिया' मुहिम को ध्यान में रखकर यह सेंटर विकसित किया है। इसका मकसद कृषि व एग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। इससे जहां रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं वहीं एग्रो आधारित लघु व मध्यम उद्योगों का हब विकसित होगा।" -डॉ. केपी सिंह, वीसी, हकृवि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	31.05.2020	02	07-08

'टिड्डियां कृषि के लिए एक गंभीर खतरा' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार कराया

हिसार, 30 मई (ब्यूरो): अफ्रीका एवं एशिया के कुछ देशों में रेगिस्तानी टिड्डियों के बढ़ने एवं टिड्डी दल बनने से कृषि पर एक गंभीर खतरा बना हुआ है। खाद्य एवं कृषि संगठन, रोम के अनुसार अनुकुल परिस्थिति के कारण टिड्डियों का प्रजनन 400 गुना बढ़ गया है। भारत में टिड्डियों का प्रजनन ग्रीष्म ऋतु में होता है जबकि टिड्डियों के दल शरद एवं बसंत ऋतु में प्रजनन योग्य स्थानों से भारत में घुस जाते हैं । पिछले 15 से 20 दिनों में विभिन्न टिड्डी दल राजस्थान में दाखिल हो गए हैं तथा वहां से गुजरात, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के कुछ हिस्से में फैल गए हैं ।

इस बहुभक्षी कीट की समस्या को ध्यान में रखते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी.सिंह के निर्देश में कीट विज्ञान विभाग एवं शोध निदेशालय ने 'टिड्डियां कृषि के लिए एक गंभीर खतरा' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने टिड्डियों की वर्तमान एवं आगामी स्थिति को देखते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की एवं वैज्ञानिकों एवं प्रसार कार्यकर्ताओं को सतर्क रह कर तैयार रहने का निर्देश दिया। वेबिनार की शुरूआत में डॉ. एस.के. सहरावत, शोध निदेशक ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं वेबिनार के विषय पर प्रकाश डाला। इस वेबिनार में पहला व्याख्यान डॉ. के.एल.गुर्जर, डिप्टी डायरेक्टर, टिड्डी चेतावनी संस्था, डी.पी.पी.क्यू.एस., फरीदाबाद द्वारा टिड्डियों के भारत में आने से सम्बन्धित मार्गों एवं आगे के फैलाव पर दिया।

डॉ. योगेश कुमार, विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग ने दूसरा व्याख्यान टिड्डियों की जीवन चक्र एवं प्रबंधन पर दिया। प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों ने व्याख्यानकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श किया। इस वेबिनार में 18 राज्यों से लगभग 240 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस मौके पर डॉ. नीरज कुमार अतिरिक्त शोध निदेशक एवं डॉ. वी. के. बत्रा, प्रोजेक्ट निदेशक उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	30.05.2020	02	03-04

हकृवि के एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने किया 'स्किल्स एंड स्टार्टअप' वेबीनार का किया सफल आयोजन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। कोरोना वैश्विक महामारी के समय में भी अपनी सेवाएं देने और समाज के अच्छे भविष्य के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह के दिशा निर्देशानुसार एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने 29 मई 2020 को 'स्किल्स एंड स्टार्टअप' वेबीनार का आयोजन किया। इस एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में 85 से अधिक छात्रों, किसानों, उद्यमियों, और अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया। कृषि में नवाचार की संभावनाओं के बारे में बताते हुए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहा कि एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबीक) के माध्यम से आप अपनी इनोवेशन को बाजार तक ले जा सकते हैं, इसके लिए आपको ग्राहक की इच्छाओं का ध्यान रखते हुए बाजार का शोध करना चाहिए और उसी अनुसार अपनी योजना तैयार कर अपने नवाचार को अपने रोजगार का साधन बनाना चाहिए।

डॉ. सीमा रानी नोडल ऑफिसर एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने इस कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि परिश्रम और ज्ञान के आधार पर आज के समय कोई भी नवाचार को अपने रोजगार का साधन बना सकता है। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय गुरुग्राम के कुलपति राज नेहरू ने एंटरप्रेन्योरशिप और नए स्टार्ट को प्रोत्साहित करते हुए एंडरसन मेडिसिन का जिक्र किया जो एक चर्चित अर्थशास्त्री है उनके द्वारा किए शोध के आधार पर राज नेहरू बताया कि पहली शताब्दी से सतरहवी शताब्दी में भारत अर्थव्यवस्था के संदर्भ में सभी क्षेत्रों में अग्रणी था, जिसके कारण उस समय भारत का सकल घरेलू उत्पाद 35 से 45 प्रतिशत था। यदि भारत की विभिनता में अवसर तलाशे जाएं उस दौर को फिर से दोहराया जा सकता है।

वेबिनार के विशिष्ट अतिथि एसीबी इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट दलेल सिंह ने कहा कि भारत को एक्सपोर्ट पर जोर देना चाहिए जिसके लिए भारत को निर्यात पर जोर देना होगा जिसके लिए अपने देश में निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खरा उतारना होगा। उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर आपके उत्पाद में गुणवत्ता है तो आपको विपणन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और लोग आपका उत्पाद बिना विलम्ब के खरीदेंगे। एबीक के सीईओ हार्दिक चौधरी ने कहा कि एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एबीक इस तरह के वेबीनार आयोजित करता रहेगा। उन्होने सभी प्रतिभागियों को वेबीनार में भाग लेने पर धन्यवाद किया। इस वेबीनार [illegible] सफल आयोजन मनीषा मनी (द[illegible] संचालक) और निशा मलिक फोगाट ([illegible] संचालक), अर्पित तनेजा व ट्विंकल मंगाल के सहयोग से हुआ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	31.05.2020	03	01-03

अनुकुल परिस्थिति के कारण टिड्डियों का प्रजनन 400 गुना बढ़ा

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 31 मई : अफ्रीका एवं एशिया के कुछ देशों में रेगिस्तानी टिड्डियों के बढ़ने एवं टिड्डी दल बनने से कृषि पर एक गंभीर खतरा बना हुआ है । खाद्य एवं कृषि संगठन, रोम के अनुसार अनुकुल परिस्थिति के कारण टिड्डियों का प्रजनन 400 गुना बढ़ गया है। भारत में टिड्डियों का प्रजनन ग्रीष्म ऋतु में होता है जबकि टिड्डियों के दल शरद एवं बसंत ऋतु में प्रजनन योग्य स्थानों से भारत में घुस जाते हैं । पिछले 15 से 20 दिनों में विभिन्न टिड्डी दल राजस्थान में दाखिल हो गये हैं तथा वहां से गुजरात, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के कुछ हिस्से में फैल गये हैं । इस बहुभक्षी कीट की समस्या को ध्यान में रखते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर के.पी. सिंह, के दिशानिर्देश में कीट विज्ञान विभाग एवं शोध निदेशालय ने 'टिड्डियाँ कृषि के लिए एक गंभीर खतरा' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का

आयोजन किया। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने टिड्डियों की वर्तमान एवं आगामी स्थिति को देखते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की एवं वैज्ञानिकों एवं प्रसार कार्यकर्ताओं को सतर्क रह कर तैयार रहने का निर्देश दिया। वेबिनार की शुरूआत में डॉ. एस.के. सहरावत, शोध निदेशक ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं वेबिनार के विषय पर प्रकाश डाला। इस वेबिनार में पहला व्याख्यान डॉ. के.एल.गुर्जर, डिप्टी डायरेक्टर, टिड्डी चेतावनी संस्था, डी. पी. पी. क्यू. एस., फरीदाबाद द्वारा टिड्डियों के भारत में आने से सम्बन्धित मार्गों एवं आगे के फैलाव पर दिया। डॉ. योगेश कुमार, विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग ने दूसरा व्याख्यान टिड्डियों की जीवन चक्र एवं प्रबंधन पर दिया। प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों ने व्याख्यानकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया। इस वेबिनार में 18 राज्यों से लगभग 240 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें वैज्ञानिकगण, कृषि अधिकारी, शोधकर्ता एवं प्रसार कार्यकर्ता सम्मिलित थे । डॉ. नीरज कुमार अतिरिक्त शोध निदेशक एवं डॉ. वी. के. बत्रा, प्रोजेक्ट निदेशक भी इस वेबिनार में उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	31.05.2020	---	---

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय में टिड्डी प्रकोप व नियंत्रण पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

SHARE 0

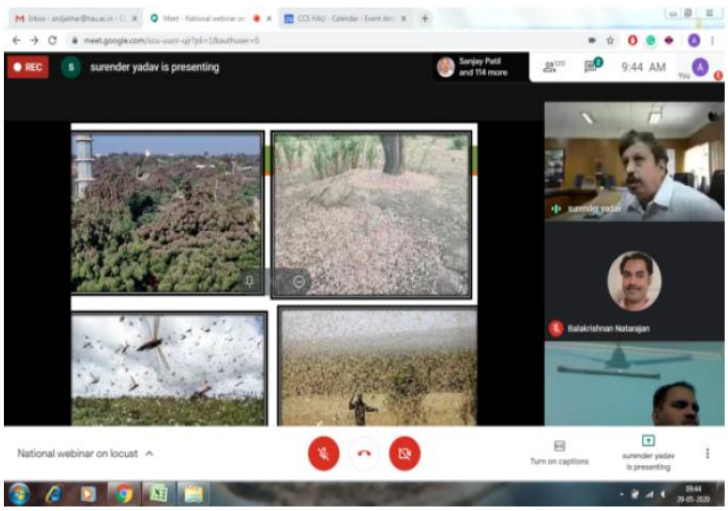

हिसार,

अफ्रीका एवं एशिया के कुछ देशों में रेगिस्तानी टिड्डियों के बढ़ने एवं टिड्डी दल बनने से कृषि पर एक गंभीर खतरा बना हुआ है। खाद्य एवं कृषि संगठन, रोम के अनुसार अनुकुल परिस्थिति के कारण टिड्डियों का प्रजनन 400 गुना बढ़ गया है। भारत में टिड्डियों का प्रजनन ग्रीष्म ऋतु में होता है जबकि टिड्डियों के दल शरद एवं बसंत ऋतु में प्रजनन योग्य स्थानों से भारत में घुस जाते हैं। पिछले 15 से 20 दिनों में विभिन्न टिड्डी दल राजस्थान में दाखिल हो गये हैं तथा वहां से गुजराज, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के कुछ हिस्से में फैल गये हैं ।

इस बहुभक्षी कीट की समस्या को ध्यान में रखते हुए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर केपी सिंह, के दिशानिर्देश में कीट विज्ञान विभाग एवं शोध निदेशालय की ओर से 'टिड्डियॉ कृषि के लिए एक गंभीर खतरा' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। प्रोफेसर के.पी. सिंह ने टिड्डियों की वर्तमान एवं आगामी स्थिति को देखते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की एवं वैज्ञानिकों एवं प्रसार कार्यकर्ताओं को सतर्क रह कर तैयार रहने का निर्देश दिया। वेबिनार की शुरूआत में शोध निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं वेबिनार के विषय पर प्रकाश डाला। इस वेबिनार में पहला व्याख्यान डॉ. केएल गुर्जर, डिप्टी डायरेक्टर, टिड्डी चेतावनी संस्था, डी.पी.पी.क्यू.एस., फरीदाबाद द्वारा टिड्डियों के भारत में आने से सम्बन्धित मार्गों एवं आगे के फैलाव पर दिया। डॉ. योगेश कुमार, विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग ने दूसरा व्याख्यान टिड्डियों की जीवन चक्र एवं प्रबंधन पर दिया। प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रतिभागियों ने व्याख्यानकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया। इस वेबिनार में 18 राज्यों से लगभग 240 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें वैज्ञानिकगण, कृषि अधिकारी, शोधकर्ता एवं प्रसार कार्यकर्ता सम्मिलित थे। डॉ. नीरज कुमार अतिरिक्त शोध निदेशक एवं डॉ. वीके बत्रा, प्रोजेक्ट निदेशक भी इस वेबिनार में उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जीवन आधार)	**31.05.2020**	---	---

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने किया 'स्किल्स एंड स्टार्टअप' वेबीनार का आयोजन

SHARE 0

हिसार,

कोरोना वैश्विक महामारी के समय में भी अपनी सेवाएं देने और समाज के अच्छे भविष्य के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के. पी. सिंह के निर्देशानुसार एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने 'स्किल्स एंड स्टार्टअप' वेबीनार का आयोजन किया। इस एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में 85 से अधिक छात्रों, किसानों, उद्यमियों, और अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया। कृषि में नवाचार की संभावानाओं के बारे में बताते हुए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने कहा कि एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबीक) के माध्यम से आप अपनी इनोवेशन को बाजार तक ले जा सकते हैं, इसके लिए आपको ग्राहक की इच्छाओं का ध्यान रखते हुए बाजार का शोध करना चाहिए और उसी अनुसार अपनी योजना तैयार कर अपने नवाचार को अपने रोजगार का साधन बनाना चाहिए।

डॉ. सीमा रानी नोडल ऑफिसर एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर ने इस कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि परिश्रम और ज्ञान के आधार पर आज के समय कोई भी नवाचार को अपने रोजगार का साधन बना सकता है। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के कुलपति श्री राज नेहरू जी ने एंटरप्रेन्योरशिप और नए स्टार्ट को प्रोत्साहित करते हुए एंडरसन मेडिसिन का ज़िक्र किया जो एक चर्चित अर्थशास्त्री है उनके द्वारा किए शोध के आधार पर श्री राज नेहरु जी बताया कि पहली शताब्दी से सतरहवीं शताब्दी में भारत अर्थव्यवस्था के संदर्भ में सभी क्षेत्रों में अग्रणी था, जिसके कारण उस समय भारत का सकल घरेलू उत्पाद् 35 से 45 प्रतिशत था। यदि भारत की विभिनता में अवसर तलाशे जाएं उस दौर को फिर से दोहराया जा सकता है।

वेबिनार के विशिष्ट अतिथि एसीबी इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट श्री दलेल सिंह जी ने कहा कि भारत को एक्सपोर्ट पर ज़ोर देना चाहिए जिसके लिए भारत को निर्यात पर जोर देना होगा जिसके लिए अपने देश में निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खरा उतारना होगा। उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर आपके उत्पाद में गुणवत्ता है तो आपको विपणन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और लोग आपका उत्पाद बिना विलम्ब के खरीदेगें। एबीक के सीईओ श्री हार्दिक चौधरी ने कहा कि एग्री स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एबीक इस तरह के वेबीनार आयोजित करता रहेगा। उन्होने सभी प्रतिभागियों को वेबीनार में भाग लेने पर धन्यवाद किया। इस वेबीनार का सफल आयोजन मनीषा मनी (मुख्य संचालक) और निशा मलिक फोगाट (सह संचालक), अर्पित तनेजा व ट्विंकल मंगल के सहयोग से हुआ।